Under CSR Support by ipca | Foundation missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अध्याय - 5 | पुष्पी पादपों की आकारिकी

QUIZ PART-03

1. **एंजियोस्पर्म में पुष्प का क्या महत्व है?**
   A. यह पौधे को सहारा देता है
   B. यह पौधे के लैंगिक प्रजनन का अंग है
   C. यह भोजन संग्रह करता है
   D. यह जल अवशोषण करता है (B)

व्याख्या : पुष्प एंजियोस्पर्म का सबसे आकर्षक एवं लैंगिक प्रजनन हेतु आवश्यक अंग है जिसमें पुंकेसर और स्त्रीकेसर उपस्थित होते हैं।

2. **यदि पुष्प में पुंकेसर और स्त्रीकेसर दोनों उपस्थित हों तो वह पुष्प कहलाता है—**
   A. एकलिंगी B. द्विलिंगी
   C. निषेचित D. अपुष्पक (B)

व्याख्या : जिस पुष्प में पुंकेसर (Androecium) और स्त्रीकेसर (Gynoecium) दोनों उपस्थित हों, उसे द्विलिंगी या उभयलिंगी पुष्प कहते हैं।

3. **सममित पुष्प (Actinomorphic flower) की पहचान क्या है?**
   A. केवल एक तल से दो बराबर भागों में विभाजित हो
   B. किसी भी तल से बराबर भागों में विभाजित हो सके
   C. किसी तल से भी विभाजित न हो सके
   D. केवल पार्श्विक तल से विभाजित हो (B)

व्याख्या : सममित (गायमर्थिक) पुष्प वे होते हैं जिन्हें किसी भी उर्ध्वाधर तल से दो समान भागों में विभाजित किया जा सकता है, जैसे — सरसों, धतूरा।

4. **Zygomorphic पुष्प किसे कहते हैं?**
   A. असममित पुष्प
   B. केवल एक विशेष तल से समान भागों में विभाजित पुष्प
   C. सभी दिशाओं से समान पुष्प
   D. बिना सममिति वाला पुष्प (B)

व्याख्या : Zygomorphic (एकव्यास सममित) पुष्प केवल एक विशिष्ट उर्ध्वाधर तल से दो समान भागों में विभाजित होते हैं, जैसे — रतर, गुलमोहर।

5. **जिस पुष्प में अंडाशय उर्ध्ववर्ती हो, उसे क्या कहते हैं?**
   A. परिजायांगिक
   B. अमध्यजायांगिक
   C. अधोजायांगिक
   D. अधिजायांगिक (D)

व्याख्या : अधिजायांगिक (Hypogynous) पुष्प में अंडाशय सर्वाधिक ऊँचाई पर स्थित होता है तथा अन्य अंग नीचे रहते हैं, जैसे—सरसों, बैंगन।

6. **परिजायांगिक पुष्प की विशेषता क्या है?**
   A. अंडाशय नीचे स्थित होता है
   B. पुष्पासन अंडाशय के चारों ओर प्यालेनुमा होता है
   C. अंडाशय पूर्णत: आवृत होता है
   D. अंडाशय अनुपस्थित होता है (B)

व्याख्या : परिजायांगिक पुष्प में अंडाशय आधा अधोवर्ती होता है और अन्य अंग पुष्पासन के प्यालेनुमा भाग पर स्थित होते हैं, जैसे—आड़ू, गुलाब।

7. **Epigynous पुष्प की पहचान क्या है?**
   A. अंडाशय अधोवर्ती होता है
   B. अंडाशय के नीचे सभी अंग होते हैं
   C. अंडाशय के ऊपर कोई अंग नहीं होता
   D. अंडाशय अनुपस्थित होता है (A)

व्याख्या : Epigynous पुष्प में अंडाशय पूर्णतः पुष्पासन में आवृत्त होता है तथा अन्य अंग उसके ऊपर स्थित रहते हैं, जैसे—सूरजमुखी, ककड़ी।

8. **Valvate पुष्पदल विन्यास में क्या होता है?**
   A. दल एक-दूसरे पर आच्छादित होते हैं
   B. दल केवल किनारों पर स्पर्श करते हैं
   C. दल परतों में व्यवस्थित होते हैं
   D. दल आपस में जुड़े होते हैं (B)

व्याख्या : Valvate (कोरचस्पर्शी) विन्यास में दल केवल किनारों पर स्पर्श करते हैं, जैसे—कैलोट्रॉपिस में।

9. **Papilionaceous पुष्प में कौन-सा पुष्पदल विन्यास पाया जाता है?**
   A. Imbricate
   B. Twisted
   C. Vexillary
   D. Valvate (C)

व्याख्या : Papilionaceous पुष्पों में Vexillary या पैपिलियोनेशियस पुष्पदल विन्यास पाया जाता है, जिसमें एक बड़ा ध्वज, दो पंख और दो अग्रदल (कूटक) होते हैं, जैसे—मटर।

10. **लिली में पुंकेसर किससे जुड़े होते हैं?**
    A. पंखुड़ियों से
    B. पुष्पासन से
    C. बंधपुंकेसर से
    D. गाइनेकियम से (A)

व्याख्या : लिली में पुंकेसर पंखुड़ियों से जुड़े होते हैं, अतः इसे एपिपेटस (Epipetalous) पुष्प कहते हैं।